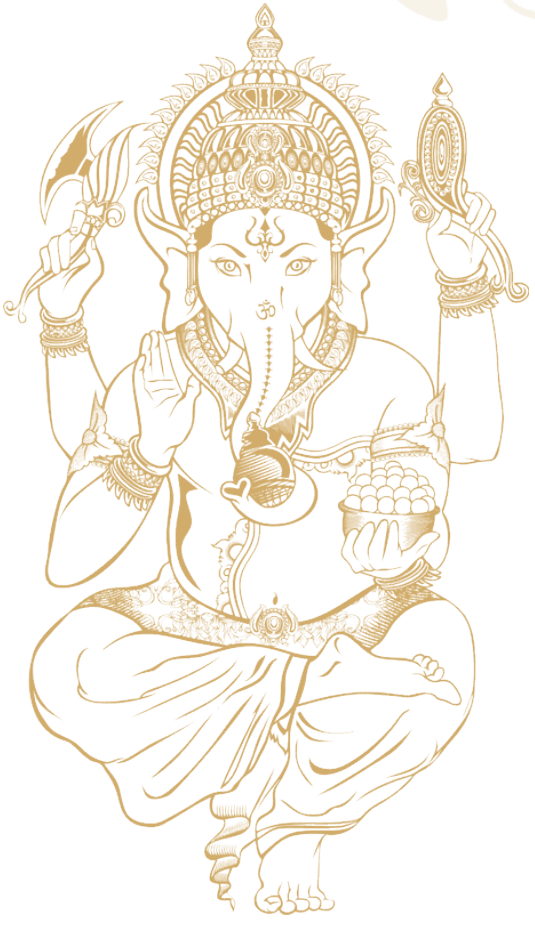

Mr.manish

15 Feb 2002

10:00 AM

Motihari

Model: web-freekundliweb

Order No: 121784004

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/02/2002**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**10:00:00 घंटे**
इष्ट	08:52:26 घटी
स्थान	**Motihari**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:40:00 उत्तर
रेखांश	84:55:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:09:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:09:40 घंटे
वेलान्तर	-00:14:11 घंटे
साम्पातिक काल	19:49:44 घंटे
सूर्योदय	06:27:01 घंटे
सूर्यास्त	17:42:16 घंटे
दिनमान	11:15:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	02:25:40 कुम्भ
लग्न के अंश	12:58:09 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सिद्ध
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दू-दूधेश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	12:58:09	452:24:24	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	---
सूर्य			कुंभ	02:25:40	01:00:38	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	03:41:07	11:51:09	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
मंगल			मीन	25:49:06	00:43:02	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मित्र राशि
बुध			मक	06:57:38	00:37:56	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
गुरु	व		मिथु	12:05:08	00:02:51	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	10:02:34	01:15:08	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	मित्र राशि
शनि			वृष	14:11:49	00:00:49	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	01:08:00	00:11:29	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	उच्च राशि
केतु	व		धनु	01:08:00	00:11:29	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	उच्च राशि
हर्ष			कुंभ	01:01:20	00:03:29	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप			मक	15:14:24	00:02:12	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	23:25:59	00:01:07	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			मक	01:34:38	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:56

लग्न-चलित

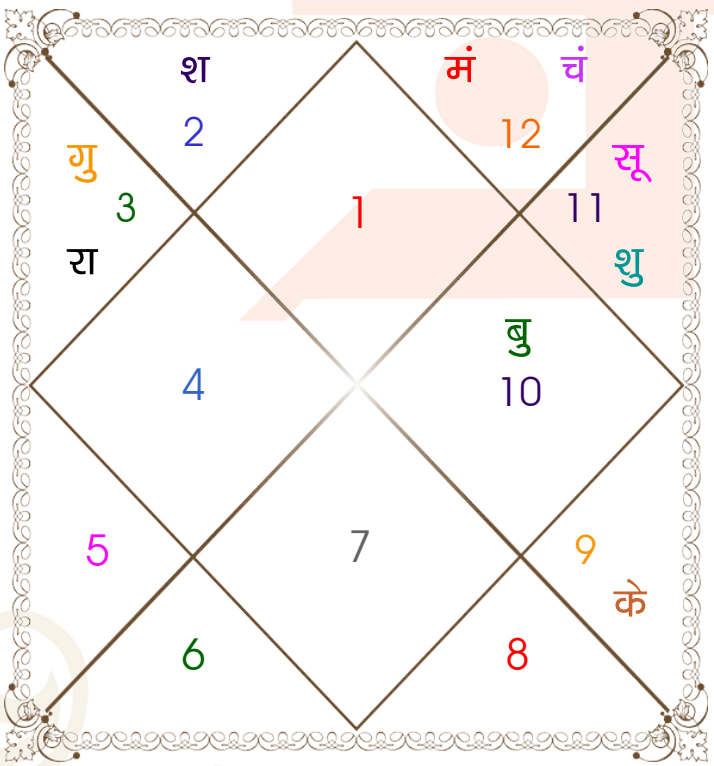

चन्द्र कुंडली

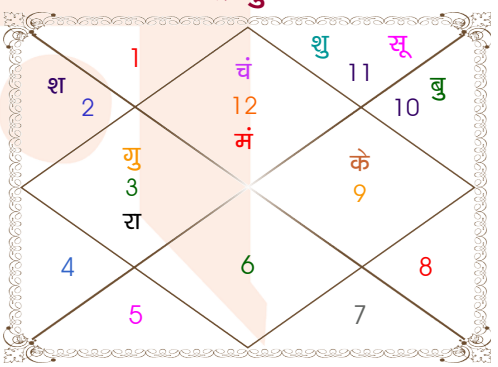

नवमांश कुंडली

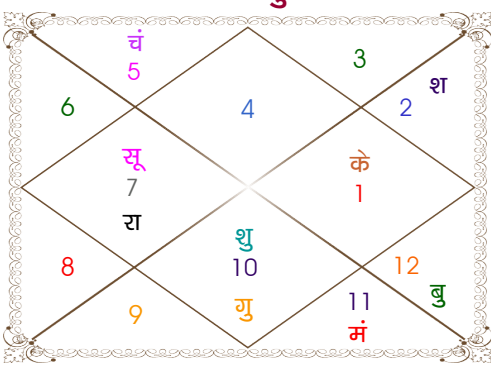

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 18 वर्ष 5 मास 29 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
15/02/2002		16/08/2020		16/08/2037		16/08/2044		16/08/2064	
16/08/2020		16/08/2037		16/08/2044		16/08/2064		16/08/2070	
शनि	19/08/2004	बुध	12/01/2023	केतु	12/01/2038	शुक्र	16/12/2047	सूर्य	03/12/2064
बुध	29/04/2007	केतु	09/01/2024	शुक्र	14/03/2039	सूर्य	15/12/2048	चंद्र	04/06/2065
केतु	07/06/2008	शुक्र	09/11/2026	सूर्य	20/07/2039	चंद्र	16/08/2050	मंगल	10/10/2065
शुक्र	07/08/2011	सूर्य	16/09/2027	चंद्र	18/02/2040	मंगल	16/10/2051	राहु	03/09/2066
सूर्य	19/07/2012	चंद्र	14/02/2029	मंगल	16/07/2040	राहु	16/10/2054	गुरु	22/06/2067
चंद्र	17/02/2014	मंगल	11/02/2030	राहु	04/08/2041	गुरु	16/06/2057	शनि	03/06/2068
मंगल	29/03/2015	राहु	31/08/2032	गुरु	10/07/2042	शनि	16/08/2060	बुध	10/04/2069
राहु	02/02/2018	गुरु	07/12/2034	शनि	19/08/2043	बुध	16/06/2063	केतु	16/08/2069
गुरु	16/08/2020	शनि	16/08/2037	बुध	16/08/2044	केतु	16/08/2064	शुक्र	16/08/2070

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
16/08/2070		16/08/2080		16/08/2087		17/08/2105		17/08/2121	
16/08/2080		16/08/2087		17/08/2105		17/08/2121		00/00/0000	
चंद्र	16/06/2071	मंगल	12/01/2081	राहु	28/04/2090	गुरु	05/10/2107	शनि	16/02/2122
मंगल	15/01/2072	राहु	30/01/2082	गुरु	21/09/2092	शनि	17/04/2110		00/00/0000
राहु	16/07/2073	गुरु	06/01/2083	शनि	29/07/2095	बुध	23/07/2112		00/00/0000
गुरु	15/11/2074	शनि	15/02/2084	बुध	14/02/2098	केतु	29/06/2113		00/00/0000
शनि	16/06/2076	बुध	11/02/2085	केतु	05/03/2099	शुक्र	28/02/2116		00/00/0000
बुध	15/11/2077	केतु	10/07/2085	शुक्र	06/03/2102	सूर्य	16/12/2116		00/00/0000
केतु	16/06/2078	शुक्र	09/09/2086	सूर्य	28/01/2103	चंद्र	17/04/2118		00/00/0000
शुक्र	15/02/2080	सूर्य	15/01/2087	चंद्र	29/07/2104	मंगल	24/03/2119		00/00/0000
सूर्य	16/08/2080	चंद्र	16/08/2087	मंगल	17/08/2105	राहु	17/08/2121		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 18 वर्ष 5 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्विनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह राशि के द्रेष्काण, कर्क राशि के नवमांश एवं मेष लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नादि के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आप अपने भविष्य में कोई भी कार्य निश्चित समय पर प्रारंभ करेंगे। आप व्यक्तिगत रूप से व्यवहार कुशल, किसी पर भी दिल से विश्वास करने वाले, तथा किसी भी कार्य को दृढ़तापूर्वक अपने भरोसे प्रारंभ करने वाले एक अच्छे भाग्यशाली व्यक्ति हैं।

जन्म प्रभाव से आप चंचल प्रकृति के प्राणी हैं। आप अकेले अपनी समझ से पूर्ण विश्वसनीयता एवं श्रद्धा पूर्वक अपने लक्ष्य की ओर किसी भी वस्तु को उपार्जित करते हैं तथा अपना लक्ष्य भेदन कर लेते हैं। आपका जन्म चर लग्न एवं चर नवमांश में हुआ है। फलस्वरूप आप किसी कार्य को करने के पहले हिचकते हैं। तथा उसे एक बार नकारात्मक समझ लेते है पुनः किसी भी क्षण उसे पसंद कर कार्य रूप देते हैं।

आप में निःसंदेह बहुत सारे कार्य संपादन के अधिकार अर्थात् गुण विद्यमान है। आप किसी के अधीन रह कर किसी भी कठिन कार्य को सुगमता पूर्वक एवं विस्तार पूर्वक अच्छी प्रकार निष्पादन कर लेते हैं। आप में आश्चर्यजनक शक्ति विद्यमान है, एवं आपका स्वाभिमान आप में द्रुत गति से कार्य संपादन करने की क्षमता प्रदान करता हैं।

आप बुद्धिमत्ता पूर्वक नवीन कल्पना से एक बार किसी भी कार्य का संचालन कर लेते हैं। परंतु आपकी योजना को निष्पादन करने में कोई न कोई व्यवधान उपस्थित हो जाता है। क्योंकि संचालित कार्य को अधूरा छोड़ कर आपका झुकाव किसी नये उद्यम की ओर हो जाता है। जिसे आप स्वयं संपादन करना चाहते हैं। यदि आप इन आदतों को त्याग दें तो आप सफलता के उच्च शिखर पर पहुंच सकते हैं।

आप किसी भी विस्तृत योजना या खरीददारी पर शीघ्रता पूर्वक किसी धन का निवेश नहीं करें अन्यथा यह आवश्यक है कि जल्दबाजी के सौदे से कोई अन्य गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी।

आप प्रेम संबंध में अत्यंत स्पष्टवादी एवं उत्साही प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्रेम प्रस्ताव को ठुकरा देंगे क्योंकि आप एक अच्छे स्वभाव के सौम्य पुरुष हैं। परंतु कोई आपको बहुत प्यार करता है तो आप उसके वशी भूत न होकर, धैर्य पूर्वक पवित्र आत्मा से स्वतंत्र रहना चाहते हैं।

यह स्पष्ट है कि आपका विस्तृत पारिवारिक जीवन छोटी-मोटी बाधाओं को छोड़ कर उत्तम और अनुकूल रहेगा। आपके जन्मप्रभाव से ऐसा निर्देश प्राप्त हो रहा है कि आप असामयिक माता-पिता बनने का आनंद प्राप्त नहीं करेंगे। आप पुत्र सुख प्राप्ति की प्रत्याशा छोड़ दे। आपको आपके पुत्र के साथ सदैव अस्वाभाविक संयोग एवं संबंध स्थापित होने की संभावना है अर्थात् उत्तम पुत्र सुख का अभाव रहेगा। अस्तु आपको अपने पुत्र के साथ धैर्य पूर्वक एवं समझदारी के साथ सामान्य व्यवहारिकता अपनानी चाहिए ताकि बच्चे के दिल पर

कोई आघात न लगे। बल्कि पुत्र के साथ किसी भी रूप में कठोर व्यवहार नहीं करें।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु हृष्ट-पुष्ट एवं बल से युक्त रहेंगे। आप विशाल मस्तिष्क से युक्त परंतु आपके ओठों पर संकीर्णता विद्यमान रहेगा। यह संभव है कि आपकी युवावास्था में ही कोई घाव का चिह्न आपके मस्तक पर लग जाए अर्थात् माथे पर कोई घाव का चिन्ह संभाव्य है। जीवन में कभी भी कोई सामान्य दुर्घटना से आप जख्मी हों सकते हैं। अतः आपको सावधान रहना होगा। परंतु आपको सदैव ही गंभीर दुर्धटना के प्रति सजग भी रहना होगा अन्यथा किसी बड़ी दुर्घटना से मस्तिष्क में चोट लग सकती है। आपको मानसिक वेदना या पश्चाताप न हो अतएव सदैव (लगातार) अपने सिर की सुरक्षा तथा पक्षाघात रोग के प्रति सतर्क रहना पड़ेगा। अतः आपको पर्याप्त मात्रा में निश्चिंतता पूर्वक आपत्ति रहित निद्रा तथा आराम प्राप्त करना चाहिए। आपको निश्चित रूप से मद्य एवं मांसाहार से बच कर रहना चाहिए तथा समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें।

आपके व्यक्तिगत जीवन में अनुकूलता लाने एवं शुभ प्रभाव हेतु कुछ महत्वपूर्ण रंगादि का सेवन महत्वपूर्ण हैं। आपके लिए अनुकूल रंग लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला है जबकि हर दशा में काला रंग का त्याज्यनीय है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके जीवन में अंक 6 एवं 7 अंक अनुकूल नही है, परंतु अंक 9 एवं 1 अंक आपके लिए प्रभावी सिद्ध होगा तथा अंक 4 एवं 8 अंक के प्रति आपका आकर्षण रहेगा।